कैस्पियन सागर

[स्रोत: द हिंदू](#)

कजाकिस्तान की सरकारी स्वामित्व वाली ऊर्जा कंपनी, काज़मुनयगैस (KazMunayGas) ने**कैस्पियन सागर के तटों पर महत्त्वपूर्ण तेल अपशिष्ट को सफलतापूर्वक शुद्ध** किया है, जो प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से प्रभावित है।

- **अवस्थिति:** यह **एशिया और यूरोप के बीच,** काकेशस पर्वतमाला के पूर्व में और मध्य एशियाई मैदान के पश्चिम में स्थित है।
  - इसकी सीमा रूस (उत्तरपश्चिम), अज़रबैजान (पश्चिम), ईरान (दक्षिण), तुर्कमेनिस्तान (दक्षिणपूर्व) और कज़ाकिस्तान (उत्तरपूर्व) से लगती है।
- **संरचना और विशेषताएँ:** **कैस्पियन सागर** कभी प्रागैतिहासिक समुद्र का हिस्सा था जिसे **पैराटेथिस के नाम** से जाना जाता था। **भूमि को ऊपर उठाने वाली टेक्टोनिक शक्तियों और समुद्र के स्तर** में गिरावट के कारण 5 मिलियन वर्ष से भी अधिक पहले **कैस्पियन सागर ज़मीन से** घिरा हुआ था।
- **तकनीकी रूप से यह एक झील है, क्योंकि यह समुद्र से सीधे संपर्क के बिना भूमि से घिरा हुआ है। यह विश्व का सबसे बड़ा अंतर्देशीय जल निकाय है।**
- **नदियाँ:** तीन प्रमुख नदियाँ **वोल्गा, यूराल और टेरेक** कैस्पियन में गिरती हैं।
- **संसाधनों से समृद्ध:** अपतटीय और तटीय क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण तेल और प्राकृतिक गैस भंडार हैं। कैस्पियन सागर**विश्व के अधिकांश कैवियार (विभिन्न बड़ी मछलियों के अंडे) के उत्पादन** के लिये जाना जाता है।

//

और पढ़ें: [कैस्पियन सागर]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/caspian-sea-2